भारत सरकार

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1851**

जिसका उत्तर 11 फरवरी, 2026 को दिया जाना है ।

22 माघ, 1947 (शक)

## आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी निवेश

**1851. श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डीः**
**श्री पुट्टा महेश कुमारः**

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में आज की तिथि तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में किए गए कुल सार्वजनिक और निजी निवेशों का वर्ष-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) देश भर में प्रस्तावित, विचाराधीन और वर्तमान में चल रही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं की सूची का राज्य-वार विशेषकर आन्ध्र प्रदेश के लिए ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान देश में प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अवसंरचना, अनुसंधान अथवा गणन सुविधाएं स्थापित करने वाली घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों की सूची का ब्यौरा क्या है और ऐसे निवेशों की प्रकृति और व्यापकता क्या है;

(घ) क्या सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और संबद्ध उभरती प्रौद्योगिकियों में युवाओं के कौशल, पुनर्कौशल और क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए पहल की है; और

(ङ) यदि हां, तो ऐसे कार्यक्रमों, कवरेज और प्राप्त परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)**

**(क) से (ङ):** भारत की एआई रणनीति माननीय प्रधानमंत्री के प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के दृष्टिकोण पर आधारित है।

स्टैनफोर्ड ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी 2025 रिपोर्ट में, भारत को एआई प्रतिस्पर्धात्मकता और इकोसिस्टम जीवंतता के लिए दुनिया में तीसरा स्थान दिया गया था। भारत गिटहब एआई परियोजनाओं में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है, जो अपने जीवंत डेवलपर समुदाय को प्रदर्शित करता है।

**<u>इंडियाएआई मिशन:</u>**

मार्च 2024 में, भारत सरकार ने देश में समग्र एआई इकोसिस्टम के विकास के लिए 10,372 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इंडियाएआई मिशन शुरू किया। 24 महीने से भी कम समय में, भारत एआई मिशन ने देश में एआई इकोसिस्टम के विकास के लिए एक नींव स्थापित की है:

- सामान्य कंप्यूट सुविधा के लिए 38 हजार से अधिक जीपीयू को शामिल किया गया है, जो भारतीय स्टार्ट-अप और शिक्षाविदों को सस्ती दर पर प्रदान किए जा रहे हैं।
- स्वदेशी मूलभूत मॉडल या बड़े भाषा मॉडल के विकास के लिए बारह टीमों को चुना गया है।
- भारत विशिष्ट एआई अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए तीस आवेदनों को मंजूरी दी गई है।
- प्रतिभा विकास के लिए 8000 से अधिक स्नातक छात्रों, 5000 स्नातकोत्तर छात्रों और 500 पीएचडी छात्रों को सहायता दी जा रही है।
- 27 इंडिया डेटा और एआई प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं तथा 543 और की पहचान की गई है।

भारत एआई के विकास, उपयोग और सुरक्षा पर वैश्विक बहस को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। भारत ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जीपीएआई) का संस्थापक अध्यक्ष था। भारत 16-20 फरवरी 2026 तक नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी कर रहा है। पहली बार, ग्लोबल एआई समिट सीरीज़ ग्लोबल साउथ में होगी। यह बदलाव एक अधिक समावेशी वैश्विक एआई संवाद की ओर एक व्यापक कदम का संकेत देता है।

**एआई में निजी क्षेत्र का निवेश**

सरकार की पहल से प्रोत्साहित होकर, निजी क्षेत्र भारत में एआई में तेजी से निवेश कर रहा है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, वर्ष 2013 से 2024 तक एआई में भारत का संचयी निजी निवेश लगभग 11.1 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

गूगल ने हाल ही में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम (विजाग) में एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब की स्थापना की घोषणा की है। लगभग 15 बिलियन डॉलर का यह निवेश भारत में गूगल का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

टाटा समूह ने महाराष्ट्र में एआई इनोवेशन सिटी के लिए 11 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है।

इसके अतिरिक्त, इंडियाएआई मिशन के तहत, देश में एक जीवंत एआई इकोसिस्टम बनाने के लिए कई निजी कंपनियां सरकार के साथ निवेश कर रही हैं।

सरकार एआई डोमेन में प्रतिभा विकास और कौशल के लिए काम कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत के पास न केवल भारत के लिए, बल्कि दुनिया के लिए भी एक मजबूत एआई स्पेस प्रदान करने के लिए बड़ी प्रतिभा मौजूद है। सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलें हैं:

- **इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स:**
    - इंडियाएआई मिशन के तहत इस स्तंभ का उद्देश्य एआई डोमेन में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की संख्या में वृद्धि करके भारत में एआई कुशल पेशेवरों को विकसित करना है। सरकार निम्नलिखित को सहायता प्रदान कर रही है:
    - 500 पीएचडी फेलो
    - 5,000 स्नातकोत्तर
    - 8,000 स्नातक

अब तक 290 फेलोशिप प्रदान की जा चुकी हैं।

- एनआईईएलआईटी के सहयोग से टियर-2 और टियर-3 शहरों में 27 इंडियाएआई डेटा और एआई लैब्स स्थापित किए गए हैं, ताकि एआई, डेटा और संबंधित क्षेत्रों जैसे डेटा एनोटेशन, डेटा क्यूरेशन, डेटा क्लीनिंग, डेटा साइंस आदि पर आधार-स्तरीय पाठ्यक्रम प्रदान किए जा सकें।
- सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 543 आईटीआई और पॉलिटेक्निक को अतिरिक्त इंडियाएआई डेटा और एआई लैब स्थापित करने के लिए अनुमोदित किया गया है।

- **फ्यूचरस्किल्स प्राइम:** फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की एक सहयोगी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत को एक अत्याधुनिक डिजिटल प्रतिभा राष्ट्र बनाना है। प्रमुख विशेषताएं हैं:
    - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, आईओटीएस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, एआर/वीआर आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग
    - वास्तविक रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग के परामर्श से पाठ्यक्रम विकसित किए जाते हैं।
    - पोर्टल को कभी भी, कहीं भी अपनी योग्यता और आकांक्षाओं के अनुरूप कौशल प्रमाण पत्र अर्जित करने के लिए एक्सेस किया जा सकता है।
    - https://futureskillsprime.in/ पर ऑनलाइन देखा जा सकता है
    - कार्यक्रम के तहत, अब तक पोर्टल पर 26.2 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 16.65 लाख+ उम्मीदवारों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित/प्रशिक्षित किया गया है।

*****